no 1

डा० एस०एस० सन्धू सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक, उत्तरांचल अतरिक्ष उपयोग केन्द्र अत्तरांचल, देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग वेहान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में विद्यान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में उत्तर्शवल अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र के लिये आवश्यक वस्तुओं का कह एहं अन्य आवश्यक व्ययो हेतु. जन्या 100 लाख अवगुक्त करने हे शब्ध थे।

नहीं देखें.

समर्थिका विश्ववक का स्वयंत्रे में राह तो स्वाहत का लिए। एक पहुँ दिल्लीक का उसके तक ले तिक्षण पूर्व प्राधीनिकी विभाग के अलगाए आक्रमनावर्त प्रदा के उत्तर्वक व का लिए का लिए आवश्यक वस्तुओं का क्षण पूर्व अलग का लाग का ति सामन जिंतका का नाम प्रदान का लिए अरोद एक) को दल्लालि को अब किये तान की का नामक स्टानकार्य

- 2- उत्तर धनराशि इस प्रतिवना के तथा पूर्व करता के अति। वा तावाद करता का वाद करता वा तावाद करता वा ता तावाद करता वा
  - 3— व्यय करते समय स्टीन प्रकेश गत्मा, दीर नेद्यस्त्रापुण्डारोतः के क क्रात्म असी त्याद्य कार्यणातः आदि को विषद्या नियम का अनुपालन स्टानीयन विवाद अग्रेमा
  - स्टीकृत की जा रही समानी के एउटीन ने प्रमाण प्रत्य के उपना पत्र अवस्था पत्र असाम पत्र विकास की असाम पत्र के प्रति के प्रति का प्रति का
  - ५- स्वीकृत की जा नमें प्रनार्थने दल १९०० का वर्षकार कर सामित र जाने का का नाम कर सामित र जाने का का नाम स्वीक सर्वत प्रनारवित जा सकतार क्षेत्रा केंद्रस्य प्रचान का नामित रूप ने १ कि.

उपरोक्त स्वीकृत धनराशि से संबंधित बिलों को जिलाधिकारी, देहरादून के सम्मुख प्रस्तुत कर तेहरताक्षरित किये जाने के उपरांत कोषागार में जमा किया जाये।

- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या-23 मुख्य लेखाशीयकं 3425-अन्य ज्ञानिक अनुसंघान, ६०- अन्य, ००४-अनुसंघान तथा दिकास, ०५-अतरिक्ष उपयोग केन्द्र की स्थापना, 0-आयोजनागत के अन्तर्गत मानक मद संख्या: 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद के नामे त्रला जायेगा।
- यह आदेश विता विभाग के अशासकीय संख्या यूठभेट 38/XXVII(5)/2005, दिनोक 11, नवस्यर, 2005 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलय्नकः यथापरि।

भवदीय

Late control (F) 0 201

grotain tient /XXXVIII(1)/11e-Rosão/2005, references प्रतिलिपि निम्नलिखिल को सूचनार्थ एवं आवरण्ड कार्यवाही हेतु पंदित

महालेखाकाः उत्तरावतः दशावः

िलाधिकारी, देशसद् 2-

सम्बद्धित जनमः सं क्षेत्र विकास

जिल अनुसाग-5 4-

निकारन विमान, एक राउन शहर । 5-

किती संवित् मात्र स्टब्स्की ।

मिजी समित, मुख्य पन्तित, उत्तरपान-आसर 4

एम्क्जाईक्सीक सचिवासय ।

গার দাইল। 9 -

आधः स

शास्त्रकेत चाहाना)

अनुस्रिक्त ।

## ासनादेश संख्याः /XXXVIII(1)/180-वि०प्रौ०/ २००५, दिनांकः/<sup>8</sup> नवम्बर, २००५ का संलग्नक :-

आयोजनागत

अनुदान संख्याः 23 धनशशि लाख रूपये में

<u>ज्य लेखाशीर्षक ३४२५—अन्य वैज्ञानिक अनुसंघान</u>

60-अन्य

004-अनुसंघान तथा विकास

05-अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र की स्थापना

म नक मद-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता

DRIO व्यय का महरार दिवरण वा में वा मन्त्र (लाल रूपये में)

1 47

व यालय वय

म,नीयर एवं उपकरण का क्य

ए यह जारा क्य

अंच व्यक्त

भ न किसमा

योगः

100 (भववे एक करोड गान्न)

13

(व्यक्त (सम्बद्धाः) सन्ध्) संचित्र